P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-5* January- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में खेल एवं खेल सुविधाओं की उपलब्धता का अध्ययन

Study of the Availability of Sports and Sports Facilities in Colleges Affiliated to Allahabad Central University

Paper Submission: 10/01/2020, Date of Acceptance: 21/01/2020, Date of Publication: 22/01/2020

प्रदीप कुमार मौर्य
शोधार्थी,
शारीरिक शिक्षा विभाग,
श्री सत्य साँई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मेडिकल साइन्स,
सीहोर, म0प्र0, भारत

सारांश

इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा और खेलकूद से सम्बन्धित जानकारियों को एकत्र करने के लिए एक विशिष्ट प्रश्नावली का शोध उपकरण के रूप में प्रयोग किया गया, प्रश्नावली शोधार्थी द्वारा कुल10 महाविद्यालयो से जानकारी प्राप्त हुयी। आकड़ों के रूप में प्राप्त तथ्यों को विभिन्न वर्गों में सारणीयन कर विश्लेषित किया गया। जिसमें इलाहाबाद के महाविद्यालयों में कुल 18 खेलों की खेल सुविधाएं उपलब्ध पायी गयी, 4 खेलो की शिविर एवं संचालन किसी भी महाविद्यालयों में नही होता, 18 सुविधाओं मे से 10 ही खेल ऐसे पाये गये जिनकीसुविधाएं एवं संचालन सभी 10 महाविद्यालयों में होता है। 18 खेलों मे से 5 खेलों कि सुविधाएं एवं संचालन 6–8 महाविद्यालयों में होता है। 10 में से 4 महाविद्यालयों में आधुनिक सामग्रीयुक्त जिम्नेजियम, 3 महाविद्यालयों में सामान्य सामग्रीयुक्त जिम्नोजियम, एक महाविद्यालय के पास सामान्य हाल उपलब्ध है। अध्ययन में पाया गया कि 10 महाविद्यालयों में से 5 महाविद्यालयों कि संरचना विकास समिति का गठन किया गया है,जबकि सत प्रतिशत महाविद्यालयों ने पर्याप्त खेल सामग्रियों को छात्र–छात्राओं की खेलगतिविधियों के विकास के लिए एक उच्च स्तरीय तकनीकि समिति का गठन किया हैऔर प्रत्येक महाविद्यालयों में युवाओं/छात्रों की खेल गतिविधियों के लिए बड़ी पर्याप्तराशि का आर्थिक प्रावधान किया जाना चाहिए।

A specialized questionnaire was used as a research tool to collect information related to physical education and sports in the colleges of Allahabad Central University, the questionnaire was collected from a total of 10 colleges by the researcher. The facts obtained in the form of data were tabulated in different categories and analyzed. In which a total of 18 sports facilities were available in Allahabad colleges, 4 sports camps and operations are not conducted in any colleges, out of 18 facilities only 10 sports were found which have facilities and operations in all 10 colleges. Out of 18 sports, 5 sports facilities and operations are conducted in 6-8 colleges. Modern materials Gymnasium with 4 materials out of 10 colleges, Gymnosium with general materials in 3 colleges, General College is available with one college. The study found that a structure development committee of 5 colleges has been formed out of 10 colleges, while seventy percent of the colleges have formed a high level technical committee for the development of sports activities of students and adequate colleges. Financial provision should be made for large amount of youth / students for sports activities.

मुख्य शब्द : खेल सुविधाएं, महाविद्यालय, प्रश्नावली, जिम्नेजियम, उपकरण, इत्यादि।
Sports Facilities, Colleges, Questionnaires, Gymnasiums, Equipments etc.

प्रस्तावना

प्रस्तुत अध्ययन इलाहाबाद के महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा और खेलकूद की गतिविधियों से सम्बंधित विषय पर आधारित है। उत्तर प्रदेश

क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का पांचवा बड़ा राज्य है और जनसंख्या की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है। उत्तर प्रदेश केवल भारत की अधिकतम जनसंख्या वाला राज्य ही नहीं है बल्कि विश्व की सर्वाधिक आबादी वाली उप राष्ट्रीय इकाई है। यदि उत्तर प्रदेश को अलग देश बनाया जाय तो वह पांच राष्ट्रों चीन, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, इण्डोनेशिया और ब्राजील के बाद छठवां सबसे बड़ा जनसंख्या वाला देश होगा। उत्तर प्रदेश क्षेत्र की दृष्टि से $23^0 52'$ से $30^0 25'$ अक्षांश और $77^0 3'$ से $84^0 39'$ पूर्वी देशान्तर रेखांश के मध्य स्थित है। जिसकी सीमा पूर्व से पश्चिम 650 किमी. और उत्तर से दक्षिण 240 किमी. है। कुल 2,40,928 वर्ग किमी. क्षेत्रफल वाला भारत का पांचवा बड़ा राज्य है।

जे0 विलियम के अनुसार, ''शारीरिक शिक्षा मनुष्य की उन क्रियाओं को कहते है जिनका चुनाव तथा प्रयोग उनके प्रभावों के सिद्धान्त के अनुसार किया जाता है।'' महाविद्यालय ही वह कड़ी है जहाँ इन सभी गुणों के विकास की पूर्ण संभावनाएँ विद्यमान रहती हैं। अतः महाविद्यालय के वातावरण में छात्रों को अपने इन आवश्यक गुणों को विकसित करने की पूर्ण सुविधा प्रदान की जानी चाहिये। महाविद्यालय का कार्यक्रम व पाठ्यक्रम इस प्रकार के होने चाहिये जिससे कि छात्रों के आंतरिक व बाह्य, शारीरिक व मानसिक गुणों का विकास हो। आज देश को ऐसे अनुशासित, चरित्रवान देशभक्त, स्वस्थ नागरिक की आवश्यकता है जो देश के विकास व समृद्धि में अपना पूर्ण योगदान दे सकें।जॉन मिल्टन के अनुसार, ''अपने सभी वातावरण के साथ मिलने की योग्यता जिससे निर्माण होता है, वही शिक्षा है।''इसी के माध्यम से किसी व्यक्ति को शारीरिक, सामाजिक, संवेगात्मक, और मनौवैज्ञानिक रूप से दक्ष नागरिक तैयार करना है जो वास्तव में राष्ट्र के विकास मेंअपना सकारात्मक सहयोग कर सकें।शिक्षा अपने गौरवान्वित अर्थ में जीवन के लिए तैयारी है जो प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को सम्पूर्ण बनाने में सहायक होती है तथा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का प्रयास करती है। मैकडावल के अनुसार, "प्राणियों के संरक्षण, वृद्धि एवं विकास के लिए खेलकूद ही महत्वपूर्ण है।" महाविद्यालय ऐसी इकाई है जहाँ पर छात्र व छात्राओं का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, संवेगात्मक व सामाजिक विकास तीव्र गति से होता है। यह व्यक्ति की उम्र का वह पड़ाव है जिसमें उसे जिस तरह से ढाला जाये वह वैसे ही बन जाएगा। सृजन करने में जो भूमिका कुम्हार, लोहार, सुनार की है, वही भूमिका छात्र व छात्राओं के व्यक्तित्व के सृजन में महाविद्यालयों की है। क्योंकि जब बालक या बालिका महाविद्यालय में प्रवेश लेते हैं तो वह अवस्था किशोर अवस्था से युवा अवस्था में प्रवेश करने की होती है। अतः महाविद्यालय के वातावरण इस प्रकार के होने चाहिये, जिससे छात्रों व छात्राओं का पूर्ण विकास संभव हो सके।

खेलकूद एवं शारीरिक शिक्षा एक ऐसा माध्यम है, जो कि तेजस्वी प्रक्रियाओं के द्वारा छात्रों व छात्राओं का पूर्ण विकास कर सकती है। अतः महाविद्यालयी वातावरण में खेलकूद एवं शारीरिक शिक्षा कार्यक्रमों की अति महत्वपूर्ण भूमिका को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है। शारीरिक शिक्षा का उपयुक्त कार्यक्रम निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखकर अपनाया जाये।शारीरिक शिक्षा का कार्यक्रम छात्रों की रुचि एवं क्षमताओं को ध्यान में रखकर बनाया जाय जिसमें वांछित परिणाम प्राप्त हो सके।उन खेलों एवं शारीरिक क्रियाओं को कार्यक्रम में स्थान दिये जाये जिनके द्वारा छात्रों–छात्राओं में उत्तरदायित्व ग्रहण करने की भावना तथा सहयोग आदि गुणों का विकास हो सकें। परम्परागत ढंग से खेलों तथा शारीरिक क्रियाओं को कार्यक्रम में स्थान दिया जाये (बी0 एस0 कालिका)।शारीरिक शिक्षा के अंतर्गत सुविधाओं का अर्थ, खेल के मैदान और खेल के साहित्य के साथ–साथ जिमनेजियम, स्वीमिंग पुल, लाइब्रेरी, प्रैक्टिकल रूम, क्लास रूम तथा टीचिंग इक्यूपमेंट्स से लगाया जाता है (शर्मा, करमरकर एवं तिवारी,1979)। खेल का मैदान, सामग्री, मनोरंजन के साधन, ग्रंथालय, पक्की सुविधायें तथा आर्थिक स्रोत क्या है, उनका प्रयोग किस प्रकार किया जाये, विश्वविद्यालय की आर्थिक स्थिति कैसी है(देशमुख,1979)?

कोठारी आयोग का विचार है कि शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम का उपयुक्त कार्यक्रम निम्नलिखित बातें ध्यान में रखकर बनाया जायेः शारीरिक शिक्षा का कार्यक्रम छात्रों–छात्राओं की रूचियों एवं क्षमताओं को ध्यान में रखकर बनाया जाये जिससे वांछित परिणाम प्राप्त हो सकें। परम्परागत ढंग से खेलों तथा शारीरिक क्रियाओं को कार्यक्रम में स्थान दिया जाये। शारीरिक क्रियाओं के द्वारा छात्रों–छात्राओं में अपने गर्व और महत्व की भावना का विकास किया जाये। इसके लिए खेल मैदानों, तरणताल जिम्नेजियम आदि सुविधाओं के अतिरिक्त अध्ययन कक्ष, फर्नीचर, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और बड़े हाल आदि आवश्यक सुविधाओं की आवश्यकता होती है(जैदी, मोहसिन अब्बास,1984)।

नायर (1974) ने आन्ध्र विश्वविद्यालयों के अधीन आने वाले महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा से सम्बन्धित सुविधाओं का अध्ययन किया और पाया कि अधिकतम महाविद्यालयों के पास खेल मैदान की सुविधायें थी, खेल का मैदान काफी दूर, किसी भी महाविद्यालय के पास तरणताल, स्टेडियम, एस्ट्रोफ ट्राटरन ट्रैक की सुविधा नहीं थी, केवल कुछ महाविद्यालयों के पास 400 मीटर का सिण्डर ट्रैक था। उत्तर प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्र (जो अब उत्तराखण्ड में है) के हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के अन्तर्गत आने वाले महाविद्यालयों में उपलब्ध खेल सुविधाओं का अध्ययन कर शारीरिक शिक्षकों की विशेष नियुक्ति, सुविधायें व परिस्थितियाँ, खेल के प्रति रूचि जागृत हो सके इस पर बल दिया (श्री महेन्द्र,1995)।

अध्ययन का उददेश्य

इस शोध पत्र का उद्देश्य इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में खेल एवं खेल सुविधाओं की उपलब्धता का अध्ययन करना है।

पद्धति (Methodology)

शोधकार्य इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कुल 10 महाविद्यालयोंके परिसर में उपलब्ध शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद सुविधाओं के अध्ययन तक

सीमित है। अध्ययन हेतु विषय के विद्वानो के सहयोग से प्रश्नावली का निर्माण किया।शोधार्थी द्वारा महाविद्यालयों में विभिन्न खेलों की संरचना (खेल मैदान, भवन अथवा सुविधा) की जानकारी चाही थीं इस महत्वपूर्ण प्रश्न को सुविधायुक्त बनाने के लिए शोधार्थी ने प्रश्नावली में 18 खेलों व सुविधाओं की उपलब्धता से सम्बन्धित जानकारी चाही थी।

शोधार्थी ने प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त आकड़ो को विभिन्न वर्गो में विभाजित कर उनका विश्लेषण किया और यथा उचित सारिणियों का निर्माण कर साधारण गणितीय गणना के आधार पर आकड़ों का विश्लेषण किया।

सारणी–1 बहुउद्देशीय जिम्नेजियम हाल संबंधी
(Multipurpase Gymnesium)

क्रमांक	जिम्नेजियम का प्रकार	महाविद्यालयों की संख्या	प्रतिशत
1	आधुनिक सामग्रीयुक्त	4	40
2	सामान्य सामग्रीयुक्त	3	30
3	सामान्य	3	30

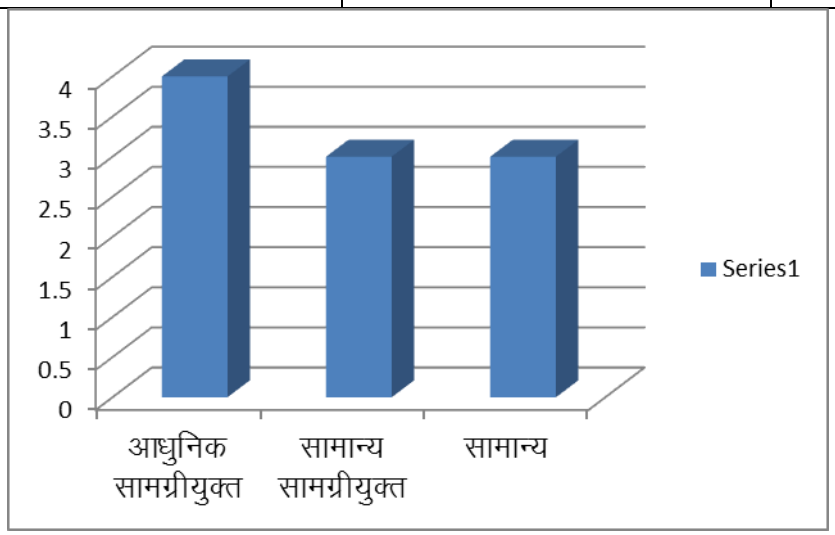

उपर्युक्त में बहुउद्देशीय जिम्नेजियम हाल सम्बन्धी आकड़ों के अध्ययन से ज्ञात हुआ कि कुल 10महाविद्यालयों में से 04 महाविद्यालयों अर्थात् 40 प्रतिशत महाविद्यालयों के पास आधुनिक सामग्री युक्त जिम्नेजियम हाल, 03महाविद्यालयों अर्थात् 30 प्रतिशत महाविद्यालयों के पास सामान्य सामग्रीयुक्त जिम्नेजियम हाल तथा 03 महाविद्यालयों अर्थात् 30 प्रतिशत महाविद्यालयों के पास सामान्य हाल उपलब्ध हैं।

सारणी–2 उपकरणों स्थिति संबंधी (Equipment Position)

क्रमांक	प्रर्याप्त	महाविद्यालयों की संख्या	प्रतिशत
1	है	10	100
2	नहीं है	0	0

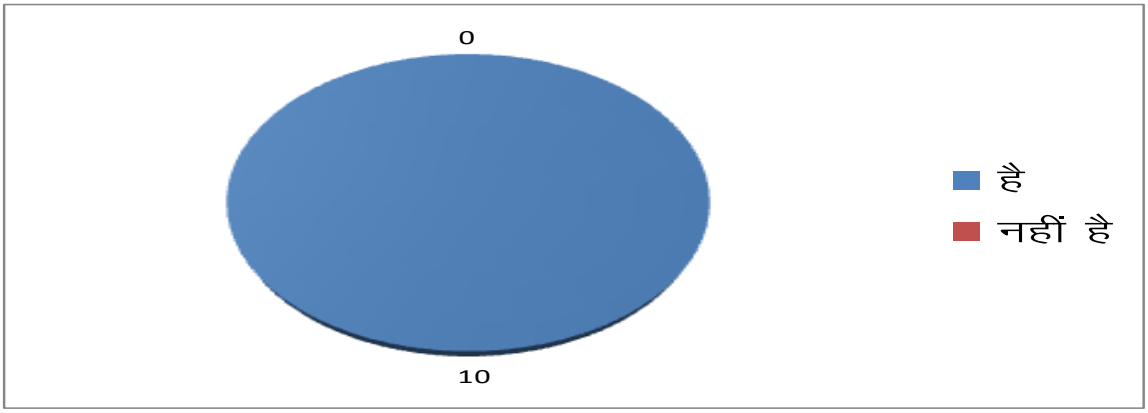

z

उपर्युक्त सारणी–3 में उपकरणों के विषय में प्राप्त आकड़ों के अनुसार सभी 10महाविद्यालयों में खेलकूद के पर्याप्त उपकरण उपलब्ध हैं।

विभिन्न खेल सुविधाओं की उपलब्धता

क्र0सं0	सुविधायें	संख्या	प्रतिशत
01.	400 / 200 मी0 ट्रैक	4	40
02.	फुटबाल मैदान	7	70
03.	हॉकी मैदान	4	40
04.	बालीबाल मैदान	8	80
05.	बास्केट बॉल	8	80
06.	जम्पिंग पिट	5	50
07.	बैडमिण्टन कोर्ट	6	60
08.	कबड्डी मैदान	5	50
09.	जिम्नेजियम	4	40
10.	खो–खो मैदान	7	70
11.	थ्रोइवेन्ट का सेक्टर	7	70
12.	खेल शिविर	0	0
13.	जिमनास्टिक हाल	7	70
14.	खेल प्रशिक्षक	6	60
15.	क्रिकेट मैदान	10	100
16.	स्टाक रजिस्टर	10	100
17.	इश्यू रजिस्टर	9	90
18.	प्रथम चिकित्सा	9	90

उपरोक्त सारणी के अध्ययन से पता चलता है कि 400 मी0 / 200 मी0 का ट्रैक 4 महाविद्यालयों में अर्थात 40 प्रतिशत, हॉकी मैदान 4 महाविद्यालयों में अर्थात 40 प्रतिशत, फुटबाल मैदान 7 महाविद्यालयों में अर्थात 70 प्रतिशत, बालीबाल मैदान 8 महाविद्यालयों में अर्थात 80 प्रतिशत, बास्केटबाल कोर्ट 8 महाविद्यालयों में अर्थात 80 प्रतिशत, बैडमिंटन कोर्ट 6 महाविद्यालयों में अर्थात 60 प्रतिशत, कबड्डी मैदान 5 महाविद्यालयों में अर्थात 50 प्रतिशत, खो–खो मैदान 7 महाविद्यालयों मे अर्थात 70 प्रतिशत, जिम्नेजिम 4 महाविद्यालयों में अर्थात 40 प्रतिशत, जम्पिंग पिट 5 महाविद्यालयों में अर्थात 50 प्रतिशत, थ्रोइवेन्ट को सेक्टर 7 महाविद्यालयो में अर्थात 70 प्रतिशत, जिमनास्टिक हाल 0 महाविद्याल अर्थात 0 प्रतिशत, खेल प्रशिक्षक 7 महाविद्यालों में अर्थात 70 प्रतिशत, क्रिकेट मैदान 6 महाविद्याालयों में अर्थात 60 प्रतिशत, स्टाक रजिस्टर 10 महाविद्यालयों में अर्थात 100 प्रतिशत, इश्यू रजिस्टर 10 महाविद्यालयों में अर्थात 100 प्रतिशत, प्रथम चिकित्सा 9 महाविद्यालयों में अर्थात 90 प्रतिशत है।

उपलब्ध खेल सुविधाओं की जानकारी

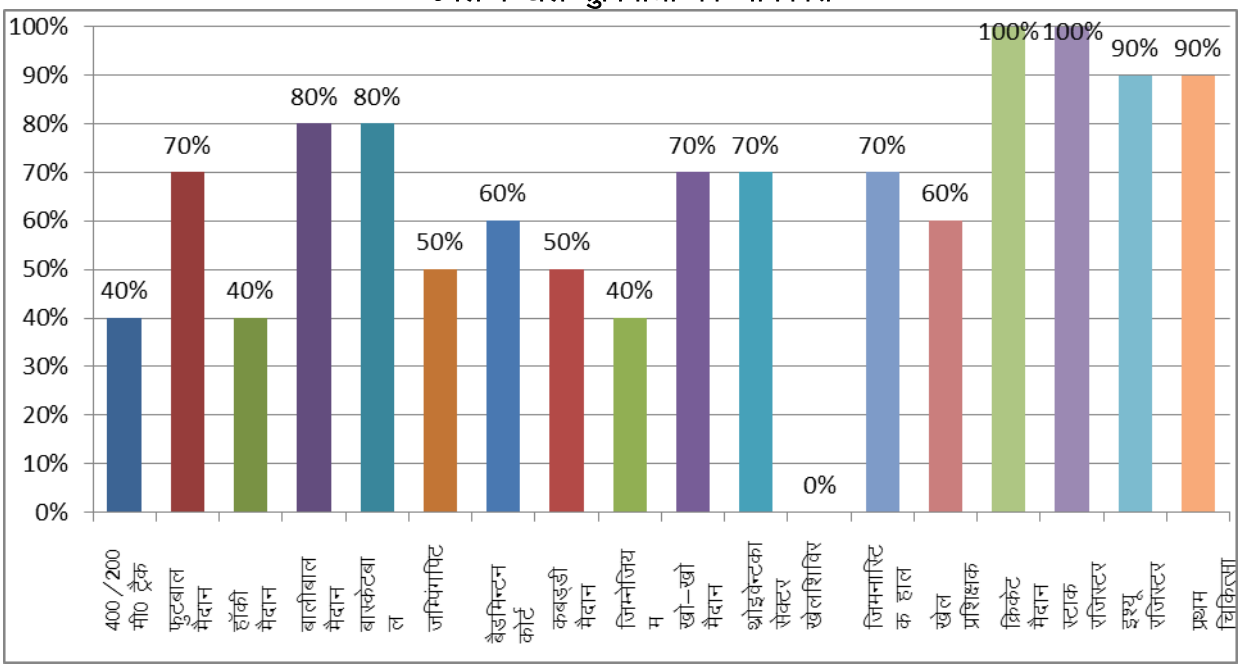

निष्कर्ष (Conclusion)

एकत्र किये गये आकडों के विश्लेषण एवं प्राप्तपरिणाम के आधार परहम यह कह सकते हैं किसभी 10 महाविद्यालयों में एथलेटिक्स ट्रैक–4, बैण्डमिंटन कोर्ट–6, हॉकी फील्ड–4, कबड्डी कोर्ट–5, तथा वॉलीबाल कोर्ट–8 महाविद्यालयों में मैदानों की सुविधा पायी गयी। सात महाविद्यालयों में फुटबाल, खो–खो, व जिमनास्टिक कोर्ट की सुविधा पायी गयी। चार महाविद्यालयों में जिमनेजियम उपलब्ध पाये गये, जबकि बाल बैण्डमिंटन की सुविधा तथा खेल शिविरों की संचालन किसी भी महाविद्यालय द्वारा नहीं किया गया। खेल सुविधाओं में बहु–उद्देशीय जिम्नेजियमों की उपलब्धता सम्बन्धी जानकारी प्राप्त आंकड़ों से ज्ञात हुआ कि चार महाविद्यालयों में आधुनिक सामग्री युक्त, तीन महाविद्यालयों में सामान्य सामग्री युक्त तथा तीन महाविद्यालयों में सामान्य बहुउद्देशीय जिम्नेजियम अर्थात् शत प्रतिशत महाविद्यालयों में बहु–उद्देशीय जिम्नेजियम, क्रिकेट मैदान, स्टाफ रजिस्टर, इश्यू रजिस्टर तथा प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा उपलब्धता रही। सभी 10 महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा खेलकूद गतिविधियों के संचालन हेतु पर्याप्त उपकरण भी उपलब्ध थे।

सुझाव (Recomendation)

एक स्पोर्ट्स काम्पलेक्स बनाने के लिए महाविद्यालय परिसर में लगभग पचीस एकड़ भूमि अलग से अवश्य होनी चाहिए। जिसके अन्दरमहाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के लिए आधुनिक सुविधायुक्त स्पोर्ट्स काम्पलेक्स विकसित किया जाना चाहिए। समस्तमहाविद्यालयों में भारतीय विश्वविद्यालय खेल संघ की खेल गतिविधियों के अनुरूप खिलाड़ियों को खेल सुविधाएँ उपलब्ध कराने, खेल मैदानों के विकास के लिए प्रशिक्षण शिविरों और प्रतियोगिताओं के आयोजन व उसमें भाग लेने हेतु वर्तमान आर्थिक स्थिति के अनुसार कम से कम रूपये एक करोड़ का प्रावधान किया जाना चाहिए। महाविद्यालय स्तर पर उच्च स्तरीय एवं तकनीकि समिति का गठन किया जाना चाहिए जो खेल मैदानों के निर्माण तथा खेल सामग्रियों के उपलब्धता के लिए जिम्मेदार हो।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. *अटवाल, एच.एस. और यादव, आर.के. स्वतंत्र भारत में शारीरिक शिक्षा का इतिहास, अमित ब्रदर्स पब्लिकेशन्स नागपुर 2006*
2. *कमलेश, एम. एल. ''फिजिकल एजुकेशनः फैक्ट एण्ड फाउण्डेशंस'' पी.वी. पब्लिकेशन फरीदाबाद, 1988*
3. *डोनाल्ड, एच. मैक ब्यूर्ने ''रिसर्च मेथड्स'' कूले पब्लिशिंग कम्पनी, 1994*
4. *पुरूषोत्तम, देशमुख, शोध प्रबंध, नागपुर विश्वविद्यालय नागपुर, 1979।*
5. *जैदी, मोहसिन अब्बास– शोध प्रबंध, अमरावती विश्वविद्यालय, 1984।*
6. *नायर, आर0आर0– ए स्टडी ऑफ फिजिकल एजुकेशन फेसिलिटिज इन आन्ध्रा युनिवर्सिटी, शोध प्रबंध, मद्रास युनिवर्सिटी, 1974।*
7. *पुण्डीकर, महेन्द नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों में उपलब्ध खेल सुविधाओं का अध्ययन, शोध प्रबन्ध– हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, 1955।*
8. *बूचर, चार्ल्स ए. ''फाउण्डेशन ऑफ फिजिकल एजुकेशन'' सेंट लुइसः द सी.वी. मेसवे कम्पनी, 1969।*
9. *शर्मा, करमरकर एवं तिवारी, शारीरिक शिक्षा प्रबंधन एवं प्रशासन, अमरावती शक्ति प्रकाशन, 1979 पृ0 108।*
10. *हेनरी, ई. इरेट ''स्टेटिक्स इन साइकोलाजी एण्ड एजुकेशन'' कल्याण पब्लिशर्स, 2007*
11. *वेस्ट, जॉन डब्ल्यू ''रिसर्च इन एज्युकेशन'' नई दिल्ली प्रेन्टिस हॉल ऑफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, 1982*
12. *शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ''नेशनल प्लान ऑफ फिजकल एजुकेशन'', नई दिल्ली गवर्मेन्ट प्रेस, 1956.*